

रजिस्टर्ड नं० एल० 33-एस० एम० 13-14/98.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 30 जून, 1998/9 आषाढ़, 1920

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

(विधायी एवं राजभाषा खण्ड)

अधिसूचना

शिमला 2, 30 जून, 1998

संख्या एल०एल०आर० (राजभाषा)बी(16)21/98.—“दि हिमाचल प्रदेश पैसेंजर एण्ड गुडज टैक्सेशन (अमैन्डमेन्ट) ऐक्ट, 1977 (1977 का 1)” के राजभाषा (हिन्दी) अनुवाद को हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल

के तारीख 23 जून, 1998 के प्राधिकार के अधीन एतद्द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया जाता है और यह हिमाचल प्रदेश राजभाषा (अनुपूरक उपबन्ध) अधिनियम, 1981 (1981 का 12) की धारा 3 के अधीन उक्त अधिनियम का राजभाषा (हिन्दी) में प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

आदेश द्वारा

हस्ताक्षरित/-
सचिव।

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) अधिनियम, 1977

(1978 का 1)

(3 फरवरी, 1978 को राज्यपाल द्वारा अनुमत)

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) का और संशोधन करने के लिए अधिनियम।

भारत गणराज्य के अठाईसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) अधिनियम, 1977 है। संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 2 के खण्ड (छ) के स्थान पर, उक्त अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (छ) को निम्नलिखित रूप में रखा जाएगा, अर्थात् :— धारा 2 का संशोधन।

“(छ) “स्वामी” से, हिमाचल प्रदेश राज्य में या इसके राज्य क्षेत्र के बीच में से यात्रियों को ले जाने या सामान के परिवहन के लिए प्रयोग की गई, किसी मोटर गाड़ी का स्वामी अभिप्रेत है और निम्नलिखित भी इसके अन्तर्गत हैं :—

(क) वस्तुतः और विधितः स्वामी;

(ख) तत्समय ऐसी गाड़ी का कोई भारसाधक व्यक्ति;

(ग) ऐसे स्वामियों के कारबार के स्थान के प्रबन्ध के लिए उत्तरदायी कोई व्यक्ति;

(घ) सरकार या सड़क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 (1950 का 64) के अधीन गठित निगम; ”

3. मूल अधिनियम की धारा 3 के पश्चात्, इसके शीर्ष सहित निम्नलिखित धारा 3-क जोड़ी जाएगी, अर्थात् :— धारा 3-क का जोड़ना।

“3-क. अधिभार का उद्ग्रहण.—अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) में किसी बात के होते हुए भी, इस धारा के प्रारम्भ से और पश्चात् राज्य सरकार द्वारा तैयार की जाने वाली और राजपत्र में अधिसूचित स्कीम के अधीन किसी यात्री के बीमे के प्रयोजन के लिए मंजिली (Stage)/ठेके की गाड़ी (Contract Carriage) द्वारा वहन किए गए प्रत्येक यात्री द्वारा, किसी मामले में न्यूनतम पांच पैसे की शर्त के अधीन रहते हुए, प्रत्येक यात्रा के लिए संदेय कर पर बीस प्रतिशत की दर से, दो पैसे या कम को छोड़ कर तथा

दो पैसे से अधिक की गणना पांच पैसे के रूप में करते हुए, अधिभार की गणना पांच पैसे के निकटतम गुणक तक करते हुए, अतिरिक्त अधिभार उद्गृहीत किया जाएगा और सरकार को संदत्त किया जाएगा ।

धाराएं 4, 5, 4. मूल अधिनियम की धारा 4 (प्रथम परन्तुक को छोड़ कर) और धारा 5 6, 9, 12, 14- (1), 6, 9, 12, 14-ख, 15 और 21 में, जहां-जहां "कर" शब्द आता है "कर और ख, 15 और अधिभार" शब्द रखे जाएंगे ।
21 का संशोधन ।

धारा 22 का संशोधन । 5. मूल अधिनियम की धारा 22 में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात्:—

- (क) जहां-जहां "कर" शब्द आता है, के स्थान पर "कर और अधिभार" शब्द रखे जाएंगे; और
- (ख) उप-धारा (2) के खण्ड (क) में, "के अधीन कर" शब्दों के पश्चात् "और अधिभार" शब्द तथा "धारा 3" के पश्चात् चिन्ह और शब्द ", 3-क" अन्तः स्थापित किए जाएंगे ।

निरसन और व्यावृत्तियां । 6. हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) अध्यादेश, 1977 (1977 का 6) एतद्द्वारा निरसित किया जाता है ।

ऐसे निरसन के होते हुए भी, पूर्वोक्त अध्यादेश के अधीन की गई कोई बात, जारी कोई अधिसूचना या की गई कोई कार्यवाई इस अधिनियम के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन की गई, जारी की गई समझी जाएगी, मानो कि यह अधिनियम उस तारीख को प्रवृत्त था जिसको ऐसी बात की गई थी, अधिसूचना जारी की गई थी ।